आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना

पारम्परिक फसलें

एस.एच.जी. नाम	: :	महादेव
वी.एफ.डी.एस.नाम	: :	गोशाल
एफ.टी.यू./ रेंज	: :	पट्टन
डी.एम.यू. /मंडल	: :	लाहौल
एफ.सी.सी.यू. / सर्किल	: :	कुल्लू

हिमाचल प्रदेश वन परितंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना
(जाईका वितपोषित)

कार्यकारिणी सूची

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ
1	परिचय	3
2	एसएचजी समूह की सूची	4
3	लाभार्थियों का विवरण	5
4	गांव का भौगोलिक विवरण	6-7
5	कच्चे माल का चयन और बाजार क्षमता	8
6	अचार बनाने का बिजनेस प्लान	9
7	अचार बनाने का व्यवसाय अनुपालन	10
8	विभिन्न प्रकार के आचार	10
9	स्वोट अना लिसिस	11
10	अचार बनाने के उपकरण	12
11	अचार बनाने का कच्चा माल	13
12	उत्पादन की लागत	14-15
13	समूह के सदस्य तस्वीरें	16
14	समूह का सहमती पत्र	1 7

1.परिचय

हिमाचल प्रदेश के पश्चिम हिमालय क्षेत्र में स्थित पहाड़ी राज्य है। जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और समृद्धि संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है। हिमाचल प्रदेश की जलवायु बहुत उपयुक्त है तथा अनेक छोटी-बड़ी नदियां व घाटियां प्रदेश की सुंदरता को बढ़ाती है। प्रदेश की कुल आबादी 70लाख है। इसका भौगोलिक क्षेत्र 55673वर्ग किलोमीटर है जो कि शिवालिक पहाड़ियों के ऊपरी हिमालय के शीत मरुस्थल क्षेत्र तक फैला हुआ है।यहां कृषि व बागवानी मुख्य व्यवसाय है। हिमाचल प्रदेश के 12 जिलों में लाहौल जिला पर्यटन कृषि व जड़ी-बूटी के लिए प्रसिद्ध है।.

गांव व डा0 गोशाल,तहसील के लोग, जिला लाहौल स्पीति, हिमाचल प्रदेश में स्थित है। गांव गोशाल लाहौल जिले की घाटियों को भौतिक संरचना के आधार पर तरह-तरह के नाम दिए गए हैं, जिसमें एक नाम पट्टन वैली है। लाहौल मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।यह जिला लाहौल स्पिति का दुर्गम जन जातीय क्षेत्र है

गांव गोशाल मे लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व बागवानी है। अधिकतर लोगों के पास बहुत कम जमीन है, जिसके कारण उनकी आजीविका का निर्वाह अच्छे ढंग से नहीं हो पा रहा है।
जीवन निर्वाह को अच्छा करने के लिए लोग नकदी फसल व बागवानी का कार्य करके अपनी आजीविका चलाते हैं। गांव में लोग बुनाई का कार्य भी कर रहे हैं, परंतु उत्पादन पारंपरिक तरीके से होता है। इससे उत्पादन कम और आय भी कम होती है। इस समस्या को दूर करने के लिए व उत्पादों का उत्पादन बढ़ाने के लिए इन महिलाओं को उन्नत किस्म के यंत्रों के बारे में जो इस उत्पादन के लिए उपयुक्त है, उनकी जानकारी की आवश्यकता है।

हिमाचल प्रदेश वन परितंत्र एवं प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना ने गांव में ग्राम वन समिति गोशाल के गठन के बाद लोगों को आजीविका के साधन बढ़ाने के लिए समूह में कार्य करने के बारे में बताया। परियोजना के माध्यम से गाँव में 02 स्वयं सहायता समूहोंका गठन, " सनातन स्वयं सहायता समूह "व" महादेव स्वयं सहायता समूह "के रूप में किया गया। इसके बाद" सनातन स्वयं सहायता समूह "ने आचार बनाने का कार्य करने का निर्णय लिया और महादेव स्वयं सहायता समूह सूखी सब्जियों का बिजनेस करने का का निर्णय लिया इस समूह में 17 सदस्य शामिल हुए।
हिमाचल प्रदेश वन परितंत्र प्रबंधन एव आजीविका सुधार परियोजना द्वारा समूह को नगदी फसलो का प्रशिक्षण देने के साथ साथ 1००००० रुपए प्रक्रिमी निधि के रूप में देने का भी निर्णय किया गया है|

स्वयं सहायता समूह के सदस्यों की सूची-

क्रमांक	लाभार्थी का नाम	पद	आयु	लिंग	योग्यता	श्रेणी
1	बन्ती देवी	प्रधान	41	स्त्री	+2	अनुसूचित जन जाति
2	लाजबन्ती	सचिव	49	स्त्री	10th	अनुसूचित जन जाति
3	बिमला	सदस्य	64	स्त्री	5th	अनुसूचित जन जाति
4	इंदिरा	सदस्य	55	स्त्री	2nd	अनुसूचित जन जाति
5	पूनम	सदस्य	65	स्त्री	4th	अनुसूचित जन जाति
6	स्वर्गी	सदस्य	55	स्त्री	10th	अनुसूचित जन जाति
7	अनीता	सदस्य	45	स्त्री	5th	अनुसूचित जन जाति
8	बिमला	सदस्य	65	स्त्री	2nd	अनुसूचित जन जाति
9	सुखदासी	सदस्य	52	स्त्री	4th	अनुसूचित जन जाति
10	धुन वासी	सदस्य	51	स्त्री	10th	अनुसूचित जन जाति
11	शांति देवी	सदस्य	46	स्त्री	10th	अनुसूचित जन जाति
12	रजनी	सदस्य	49	स्त्री	5th	अनुसूचित जन जाति
13	अंगमो	सदस्य	47	स्त्री	2nd	अनुसूचित जन जाति
14	सुनीता	सदस्य	44	स्त्री	4th	अनुसूचित जन जाति
15	कृष्णा	सदस्य	52	स्त्री	10th	अनुसूचित जन जाति
16	कमला	सदस्य	57	स्त्री	5th	अनुसूचित जन जाति
17	शीला देवी	सदस्य	46	स्त्री	8nd	अनुसूचित जन जाति

2.स्वयं सहायता समूह विवरण-

1	**समूह का नाम**	**महादेव स्वयं सहायता समूह**
2	ग्राम वन विकास समिति	गोशाल
3	वन परिक्षेत्र / क्षेत्रीय तकनीकी इकाई	पट्टन
4	वनमंडल/ मंडलीय प्रबंधन इकाई	लाहौल
5	गांव	गोशाल
6	विकासखंड	केलोंग
7	जिला	लाहौल- स्पीति
8	समान सूची समूह में कुल सदस्यों की संख्या	17
9	समूह के गठन की तिथि	अप्रैल 2021
10	बैंक खाता संख्या	**11390264193**
11	बैंक का नाम और शाखा जहां समूह का खाता संचालित है	SBI केलोंग
12	स्वयं सहायता समूह की मासिक बचत	100
13	कुल बचत	45000
14	सदस्यों को आपस में दिया गया ऋण	0
15	नगदी जमा करने की सीमा	
16	चुकौती की स्थिति	6 महीने

3.ग्राम की भौगोलिक स्थिति –

1	**जिला मुख्यालय से दूरी**	**10 किलोमीटर (लगभग)**
2	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	केलोंग ,10 किलोमीटर लगभग
3	प्रमुख बाजार का नाम और दूरी	केलोंग , 10 किलोमीटर
4	प्रमुख शहरों से दूरी	कुल्लू किलोमीटर 109, मनाली 70 किलोमीटर
5	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद का विक्रय/ विपणन किया जाएगा	उदयपुर, कुल्लू, भुंतर, मनाली
6	प्रस्तावित आय सृजन गतिविधि के संबंध में गांव की कोई विशेष सूचना	कृषि , बागवानी व बुनाई करते हैं।

4.आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का वितरण-

1	उत्पाद का नाम	पारम्परिक फसले
2	उत्पाद की पहचान की पद्धति	अधिकतर सदस्य पहले से ही खेतो का कार्य करते हैं।
3	स्वयं सहायता समूह/समान सूची समूह/ सदस्यों की सामूहिक सहमति	हां।

5. उत्पादन की प्रक्रियाओं का विवरण

सर्वप्रथम स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को परियोजना द्वारा पारम्परिक फसलो आदि का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के उपरांत समूह के सदस्य द्वारा उत्पाद तैयार करने में निमन प्रक्रिया की जाएगी:-

1.समूह में 17 सदस्य शमिल है,सभी मिल कर पारम्परिक फसले उगने का कार्य करेगी।

2.समूह में सभी मिल कर विपणन करेगे और बीज व अन्य सामान भी लायेगे।

3.समूह में सभी सदस्य प्रति दिन फसलो के हिसाब से कार्य करेंगे|

6.बिक्री का विवरण-

1.	सम्भावित बाजारों/स्थलों के नाम	केलोंग ,मनाली, कुल्लू और भुंतर
2.	उत्पाद की बिक्री हेतू गांव से दूरी	केलोंग 10 कि0मी0(व्यपारी अथवा खरीदार अधिकतर खेतो में से ही फासले खरीद कर ले जाते है।)
3.	बजार में उत्पाद की अनुमानित मांग	पुरे वर्ष ज्यादा मांग।
4.	बजार को चिन्हित करने की प्रकिया	लोकल बाज़ार को चिन्हित किया गया है जैसे की केलोंग,मनाली, कुल्लू और भुंतर।
5.	उत्पाद के संभावित खरीदार	स्थानीय निवासी ,शहरी लोग तथा पर्यटक।
6.	क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता	गाँव व शेहर , किरायेदार और नोकरी पेशा लोग
7.	उत्पाद का विपणन तंत्र	सीधा सम्पर्क दुकानदारों से व्यापारियों से सम्पर्क पर्यटक स्थान अपना बिक्री केंद्र
8.	उत्पाद के विपणन हेतु रणनीति	1थोक व्यपारी ,लोकल नेटवर्क,परचून व्यपारी और सोशल नेटवर्क पर प्रचार।

7.समूह के मध्यप्रबंधन का विवरण-

प्रबंधन के लिए नियम बनाए जाएंगे।
समूह के सदस्य आपसी सहमति से कार्यों का बंटवारा करेंगे।
बंटवाराकार्य की कुशलता एवं क्षमता के आधार पर किया जाएगा
लाभ का बंटवारा भी कार्य की गुणवत्ता, कुशलता तथा मेहनत के आधार पर किया जाएगा।
विपणन करने वाले सदस्यों को कुल बिक्री राशि पर 5% कमीशन दी जाएगी।
प्रधान व सचिव प्रबंधन का मूल्यांकन एवं अवलोकन समय-समय पर करते रहेंगे।

शक्ति, दुर्बलता, अवसर तथा चुनौती का विश्लेषण-

शक्ति

महिलाओं में कार्य करने की लगन है।
पहले से ही अधिकतर सदस्य खेतो का काम करते हैं।
समूह में अनुभवी सदस्य भी है।

दुर्बलता

महिलाएं पशुपालन के कार्य भी करती है।
घर के कार्य के लिए 2 से 3 घंटे का समय ही निकाल पाना।
समूह में जुडकर पहली बार कार्य कर रहे हैं।

अवसर

हिमाचल प्रदेश वन परितंत्र प्रबंधन परियोजना से सहयोग व निधि मिलेगी।
प्रशिक्षण से कुशलता व क्षमता में बढ़ोतरी होगी।
उत्पादकों की लोकल व शहरों में मांग है।
अच्छे व जैविक उत्पाद तैयार करना|

चुनौती

खेती के लिए पानी की कमी |
अन्य उत्पाद केंद्रों से प्रतिस्पर्धा।
उपभोक्ताओं से तालमेल की कमी।
अन्य (कृषि बागवानी व पशुपालन) कार्यों में व्यवस्था।

8.संभावित चुनौतियां तथा उनको कम करने के उपायों का विवरण-

क्र.सं.	जोखिमों/चुनौतियों का विवरण	जोखिम कम करने के उपाय
1.	बाजार की स्थिति (डिमांड) को ना समझना	बजार की मांग के अनुसार चलना
2.	उपभोक्ताओं से तालमेल की कमी।	उपभोक्ताओं से हमेशा सम्पर्क में रहना
3.	अन्य कार्यो में व्यस्तता	घर के कार्यो के साथ साथ समूह के व्यवसाय पर ध्यान देना

9.परियोजना की अर्थ व्यवस्था का विवरण –

पूंजीगत व्यय-

क्रमाक	विवरण	मात्रा/न० .	मुल्य/ रूपये	कुल व्यय/ रूपये
1	लाल आलू का बीज	16	1500	24000
2	खाद 12,32,16	5	1400	7000
3	पेकैट गोभी का बीज पेकैट	72	900	64800
4	ग्रीन हॉउस की तरपाल		10000	10000
5	ग्रीन हॉउस के लिए फ्रेम		15000	15000
6	कीटनाशक	12	500	6000
	योग			**126800/-**
1	परियोजना अंश 75%			95100
2	लाभार्थी अंश 25%			31700
	योग			**126800/-**

आवर्ती व्यय –

क्र.	फसल का नाम	क्षेत्र	मात्रा/ बीघा	राशि	उत्पादन की मात्रा
	लाल आलू				
1	ज़मीन	2.5 बीघा	2.5बीघा	75000	
2	बीज	2.5 बीघा	16 बोरी	24000	**128 बोरी (1 बोरी =50किलो)**
3	गोबर	2.5 बीघा	2 ट्रेक्टर	10000	
4	खाद	2.5 बीघा	5 बोरी	7000	
5	कीटनाशक	2.5 बीघा		6000	
	योग			**122000/-**	
क्र.	**फसल का नाम**	**क्षेत्र**	**मात्रा/ बीघा**	**राशि**	**उत्पादन की मात्रा**
	गोभी की पनीरी				
1	ज़मीन	**1** बीघा	1 बीघा	0	**86400 पनीरी**
2	बीज	**1** बीघा	72 पेकैट	64800	
3	गोबर	**1** बीघा	0	0	
4	खाद	**1** बीघा	0	0	
5	कीटनाशक	**1** बीघा	0	0	
	योग			**64800/-**	
क्र.	**अन्य खर्च**			**राशि**	
1	परिवहन खर्चा			10000	
2	मजदूरी			20000	
3	पैकजिग और स्टीकर			10000	
4	पानी औसत			5000	
	योग			**45000/-**	
			कुल जोड़	**231800/-**	

अर्थ व्यवस्था का सारांश

उत्पादन की लागत

क्र.	विवरण	धनराशि
1	कुल आवर्ती लागत	**231800**
2	पूंजी गत व्यय पर 10 प्रतिशत वार्षिक ह्रास	**1057**
	योग	**232857/-**

अनुमानित विक्र मूल्य की गणना-

क्र.	फसल का नाम	क्षेत्र	मूल्य	मात्रा/ बीघा	आलू की फसल की लागत	उत्पादन की मात्रा	मूल्य	उत्पादन बिक्री मूल्य
1.	**आलू की फसल**							
	उत्पाद की लागत	2.5 बीघा	1500	16 बोरी	24000	128 बोरी	1500	192000
					24000/-			**192000/-**
	बिक्री मूल्य -लागत =लाभ				**192000-24000=168000/-**			
2 .	**गोभी की पनीरी**							
	उत्पाद की लागत	2.5 बीघा	900	72 पेकैट	64800	86400 पनीरी	1.5	129600
					64800/-			**129600/-**
	बिक्री मूल्य -लागत =लाभ				**129600-64800=64800/-**			

10 उद्यम लागत – लाभ विश्लेषण (एक चक्र के लिए) -

क्र0स0	मद	धनराशि (रू)
	पूंजीगत व्यय पर 10% वार्षिक मूल्य ह्रास (अ)	1057/-
	आवर्ती व्यय	
	किराया	75000
	परिवहन	10000
	पकेजिंग	10000
	मजदूरी	20000
	अन्य खर्चा पानी इत्यादि	5000
	योग	120000/-
	कुल उत्पादन विक्री मूल्य	
	लाल आलू 128 बोरी (64 कुंटल)128 x 1500	**192000**
	गोभी पनीरी 86400 पनीरी 86400 x 1.5	**129600**
	योग	**321600** /-
	कुल लाभ = विक्री मूल्य-(पूंजीगत मूल्य ह्रास+ आवर्ती मूल्य)	
	कुल लाभ = 321600-(1057+120000)	200573/-
	सकल लाभ = कुल लाभ +मजदूरी = 200573+ 20000	**220573**/-

यह धनराशी मजदूरी व किराये की धनराशी के अतिरिक्त है | लाभ प्रति सदस्य का वितरण सदस्यों के मध्य सहमत अनुपात के आधार पर किया जाएगा

11. धन की आवश्यकता -

समूह की वित्तीय आवश्यकता :

क0स0	मद	धनराशी (रु)
1	पूंजीगत व्यय	126800
2	आवर्ती व्यय	231800
	योग	**358600/-**

12. समूह के वित्तीय संसाधन –

क0स0	संसाधन का विवरण	धनराशी (रु)
1	परियोजना द्वारा सहायता कोष की धनराशी 75 % पूंजीगत व्यय	95100
2	लाभार्थी अंश 25% पूंजीगत व्यय	31700
	योग	126800/-

13 सम विच्छेदन बिन्दू (ब्रेक इविन प्वाइन्ट) की गणना -

ब्रेक इवन पॉइंट = पूंजीगत व्यय / विक्रय मूल्य – आवर्ती व्यय

= 126800 / 321600 -231800 = 126800 / 89800

= 1.41 माह = 1.41 x 30 = 42.3 दिन

उपरोक्त अनुपात में खेती करने पर "ब्रेक इवन पॉइंट"42 दिनों में प्राप्त होगा! दुसरे शब्दों में इस गतिविधि में लगी गयी धनराशी 42 दिनों में प्राप्त हो जाएगा |

14. स्वयं सहायता समूह नियमो की सूची-

1. समूह का काम : **पारम्परिक खेती करना**
2. समूह का पता : **गाँव गोशाल ,डाकघर गोशाल , तहसील केलोंग ,जिला लाहुल स्पिति, हिमाचल प्रदेश |**
3. समूह के कुल सदस्य: 17
4. समूह की मासिक बैठक हर माह की 5 तारिक को होगी |
5. समूह के सभी सदस्य हर माह की बचत की गई राशि को समूह में जमा करेगें
6. स्वय सहायता समूह की बैठक में सभी सदस्य को शामिल होना पड़ेगा
7. समूह की बैठक में गेर हाज़िर रहने के लिए प्रधान व सचिव को उचित कार्य बता कर अनुमति लेनी होगी
8. समूह में जो बचत की राशी जमा नहीं करवाते या 3 बेठकों तक समूह से गेर हाज़िर रहते है तो उस व्यक्ति को समूह से निकाल दिया जाऐगा
9. समूह में जो व्यक्ति कारण बताए वगेर गेर हाज़िर रहता है तो अगली बैठक उस व्यक्ति के घर में होगी जिसका खर्च उस व्यक्ति को खुद करना होगा अगर दो सदस्य होगें तो खर्च मिल कर देना होगा
10. स्वय सहायता समूह के प्रधान व सचिव सर्व सहमति से चुने जाऐगें
11. प्रधान व सचिव बैंक से लेन देन कर सकते है यह पद एक वर्ष तक मान्य होगा
12. प्रधान, सचिव या सदस्य समूह के विरूद्व कोई काम नही करेगा समूह की रकम का सदा सदुपयोग करेगें
13. अगर सदस्य किसी कारणवश समूह को छोड़ना चाहता है अगर इस व्यक्ति ने ऋण लिया है तो समूह को वापिस करना होगा तभी समूह को छोड़ समता है अन्यथा नही
14. ऋण का उदेश्य रकम की चुकोती का समय ऋण की किश्त और ब्याज की दर बैठक में तय की जाएगी
15. आपातकालीन स्थिति के लिए प्रधान व सचिव के पास कम से कम 1000 रूपये की राशी होनी चाहिए
16. स्वय सहायता समूह के रजिस्टर को सभी सदस्यों के सामने पढ़ा व लिखा जाना चाहिए
17. बड़ें ऋण लेने वालों को एक सप्ताह पहले की सूचना देनी होगी
18. ऋण जरूरत के समय सभी सदस्यों को मिलना चाहिए
19. अगर सदस्य बिना कारण से समूह को छोड़ना चाहता है तो उस सदस्य की जमा रही समूह में बांटी जाएगी
20. समूह को अपनी मासिक रिपोर्ट प्रति माह तकनीकी क्षेत्रीय इकाई (Field Technical Unit) के कार्यालय में देनी
    होगी |

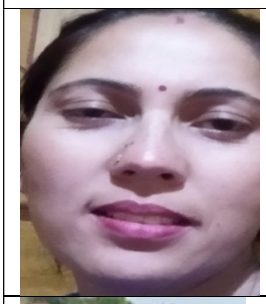

समूह का सहमति पत्र

आज दिनांक 3/11/2023 को वी. एफ. डी. एस. गोशाल के स्वयं सहायता समूह" **महादेव** "की बैठक प्रधान "श्रीमती बन्ती देवी"की अध्यक्षता में हुई। जिसमें समूह के सभी सदस्यों ने सर्वसहमति से यह निर्णय लिया कि समूह की आय को बढ़ाने के लिए" पारम्परिक खेती "का कार्य आजीविका सुधार योजना (JICA) से जुड़ने की सहमति प्रदान करते है।

प्रधान बन्ती देवी
महादेव स्वय सहायता समूह
गोशाल

सचिव कृष्णा
महादेव स्वय सहायता समूह
गोशाल

1 विमला
2. लाजवन्ती
3 [illegible]
4. पूनम
5 स्वर्णी
6. अनीता
7 विमला
8 सुरवदासी
9 शान्ति
10 रजनी
11 सुनीता
12 कमला

President
VFDS Goshal
Distt. L&S (H.P)

Pattan

Dmu-Cum- Division Forest Office
Lahoul at Keylong